उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

माह दिसम्बर, 2021

षष्ठ दीक्षान्त समारोह

दिनांक 28 दिसंम्बर, 2021

विश्वविद्यालय का षष्ठ दीक्षान्त समारोह दिनांक 28 दिसम्बर, 2021 (मंगलवार) को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षान्त भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमंत्री एवं डॉ0 धन सिंह रावत, उच्च शिक्ष मंत्री मौजूद रहे।

दीक्षान्त समारोह में प्रतिभाग करते माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय मा0 मुख्यमंत्री, मा0 उच्च शिक्षा मंत्री, मा0 कुलपति, कुलसचिव व मानद उपाधि धारक

समारोह में विश्वविद्यालय में वर्ष 2019–20 तथा 2020–21 सत्रों में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को पीएच0डी0 (शोध उपाधि)/स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/ प्रमाण–पत्र/ स्नातक एकल विषय में 28,432 शिक्षार्थियों को उपाधियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इन्हीं अकादमिक वर्षों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले स्नातकों एवं परास्नातकों को स्वर्ण पदक माननीय श्री राज्यपाल द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गये।

समारोह में मा0 कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की वर्ष 2019–20 एवं 2020–21 का वार्षिक प्रगति आख्या का प्रस्तुतिकरण किया गया।

उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय–आठ 'मानद उपाधि प्रदान करना' (धारा 5 (चार)) परिनियम 36(4) में वर्णित व्यवस्थानुसार माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में उत्तराखण्ड राज्य के 02 विशिष्ट व्यक्तियों– श्री सच्चिदानन्द भारती जी तथा पद्मश्री श्री अनूप साह जी को विश्वविद्यालय के षष्ठ दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदय द्वारा मानद उपाधि (Honoris Causa) प्रदान की गई।

श्री सच्चिदानन्द भारती जी को मानद उपाधि प्रदान करते मा0 श्री राज्यपाल व डॉ0 धन सिंह रावत जी

पद्मश्री अनूप साह को मानद उपाधि प्रदान करते मा0 श्री राज्यपाल व डॉ0 धन सिंह रावत जी

मा0 श्री राज्यपाल/कुलाधिपति द्वारा शिक्षार्थियों को स्वर्ण पदक एवं उपाधियॉ प्रदान की गई जिसकी सूची संलग्न है। **संलग्नक–क**

विश्वविद्यालय के 02 क्षेत्रीय निदेशकों को मा0 श्री राज्यपाल/कुलाधिपति जी सम्मान–पत्र प्रदान करते हुये।

विश्व दार्शनिक दिवस के उपलक्ष पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा आपके द्वार विषयक संगोष्ठी का आयोजन

विश्व दार्शनिक दिवस के उपलक्ष पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा आपके द्वार विषयक संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 6 दिसंबर 2021 को ब्लॉक सभागार खिर्सू में किया गया। जिसमें पौडी एवं खिर्सु क्षेत्र के मेधावी बच्चों और समाज सेवा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में जिला पौड़ी के राठ क्षेत्र स्थित राजकीय इंटर कॉलेज तिरपालीसैड़ में विश्व दार्शनिक दिवस के उपलक्ष पर उच्च शिक्षा आपके द्वार संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 6 दिसंबर 2021 को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय की आवश्यकता है। शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण कर सकता है। आज उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय विभिन्न प्रकार के रोजगार परक पाठ्यक्रम चला रहा है। जिसका लाभ क्षेत्र के शिक्षार्थी ले सकते हैं। प्रवेशार्थी ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश ले सकता है। मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कौशल्या भट्ट ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुक्त विद्यालय का एक अच्छा प्रयास है कि क्षेत्र में इस तरह की संगोष्ठी का आयोजन किया गया और उन्होंने विश्वविद्यालय को धन्यवाद दिया कि प्रथम बार राठ क्षेत्र में कोई कुलपति स्वयं यहां आकर उच्च शिक्षा के बारे में शिक्षार्थियों को प्रेरित कर रहे हैं।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल सहायक प्राध्यापक ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में शंकराचार्य जी के विचारों को हमें अपने जीवन में लाना है और यह क्षेत्र पहले से ही आदिशंकराचार्य जी की कर्मभूमि तपस्थली रहा है।राठ क्षेत्र वर्तमान में उच्च शिक्षा में नए–नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है जिसका लाभ क्षेत्र के लोगों को मिलेगा। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के सलाहकार प्रोफेसर के डी पुरोहित ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह की संगोष्ठी से क्षेत्र के साथ साथ सभी साथियों को भी नवीन पाठ्यक्रमों की जानकारी होती है और मुक्त विश्वविद्यालय के नवीन पाठ्यक्रम क्षेत्र की आवश्यकतानुसार तैयार किए गए हैं। गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम एस एम रावत ने अपने उद्बोधन में कहां की वर्तमान समय तकनीकी का युग है ऑनलाइन सामग्रियां विश्वविद्यालयों के पोर्टल में उपलब्ध हैं।

राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव के प्राचार्य प्रो कैलाश चंद दुदपुडी द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय में चलाए जा रहे अध्ययन केंद्र के बारे में जानकारी दी। संगोष्ठी में क्षेत्र के बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ पी एस नेगी द्वारा सम्मानित भी किया गया।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के सलाहकार प्रोफेसर के डी पुरोहित ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह की संगोष्ठी से क्षेत्र के साथ–साथ सभी साथियों को भी नवीन पाठ्यक्रमों की जानकारी होती है और मुक्त विश्वविद्यालय के नवीन पाठ्यक्रम क्षेत्र की आवश्यकतानुसार तैयार किए गए हैं।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में विश्व दार्शनिक दिवस के अंतर्गत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा आपके द्वार संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 12, दिसम्बर, 2021 को महायोगी गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय बिथ्याणी, यमकेश्वर में किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री तीरथ सिंह रावत सांसद गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र, विशिष्ट अतिथि कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी और अध्यक्षता यमकेश्वर क्षेत्र के स्थानीय विधायक श्रीमती रितु खंडूरी भूषण द्वारा की गई। राजकीय महाविद्यालय विद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एम0 पी0 नगदली ने अतिथियों का स्वागत प्रतीक चिन्ह, पुष्पगुच्छ व शॉल के द्वारा किया।विश्वविद्यालय से आए सहायक प्राध्यापक डॉ0 सिद्धार्थ पोखरियाल ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विषय में जानकारी दी एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा कराई जा रही विषय से संबंधित संगोष्ठी के सम्बन्ध में बताया।

मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी ने अपना उद्बोधन ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा वर्तमान समय की मांग है और यह कहीं भी किसी भी समय किसी भी व्यक्ति द्वारा ली जा सकती है। मुख्य अतिथि सांसद श्री तीरथ सिंह रावत जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय प्रतियोगिता का समय है । प्रतियोगिता में उत्तीर्ण वही हो सकता है जो अच्छी शिक्षा दीक्षा ले और मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से हम अपने लक्ष्य को पा सकते हैं।मुक्त विश्वविद्यालय इस समय राज्य के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी पैठ बना चुका है जिसका लाभ पूरे राज्य के विद्यार्थियों को मिल रहा है।

कार्यक्रम में विद्यालय संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय आनंद सिंह बिष्ट जी की धर्मपत्नी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी की माता जी श्रीमती सुशीला देवी, महाविद्यालय प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष श्री विद्याधर रतूड़ी, स्थानीय समाजसेवी महावीर प्रसाद कुकरेती, शिक्षाविद बंशीधर पोखरियाल, संजय शास्त्री, ग्राम प्रधान श्रीमती गंगा देवी, ब्लाक प्रमुख श्री दिनेश भट्ट जी समेत महाविद्यालय के मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ नीरज नौटियाल द्वारा किया गया किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़, डॉ विजय सामंत, महेंद्र सिंह बिष्ट, श्रीमती सरोजनी नेगी, आचार्य कमल डिमरी, त्रिभुवन जोशी समेत यमकेश्वर क्षेत्र के लोग एवं महाविद्यालय के समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

गीता जयंती के अवसर पर संस्कृत विभाग द्वारा 'गीतोपदेश की व्यावहारिकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक-16/12/2021 गीता जयंती के अवसर पर संस्कृत विभाग द्वारा 'गीतोपदेश की व्यावहारिकता' विषय पर व्याख्यान किया गया जिसमें कार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य का प्रतिपादन किया। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने की कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रोफेसर रेनू प्रकाश जी ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एस0पी0 शुक्ल पूर्व निदेशक मानविकी विद्याशाखा ने गीता को practical philosophy बताया, साथ ही श्री अरविंद तथा श्री कृष्ण प्रेमी के विशद् व्याख्यात्मक दर्शन को प्रतिपादित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर आर. सी. मिश्र जी ने बताया कि गीता का उद्देश्य मानव जीवन को स्थितप्रज्ञ से पूर्ण करना है। उन्होंने प्रज्ञा के पांच प्रकार की विशेष व्याख्या की और कहा कि गीता में सभी समस्याओं का समाधान है। विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रोफेसर जया तिवारी, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल ने अपने वक्तव्य में कहा की गीता का उपदेश कवि के काव्य का प्रयोजन है , गीता दर्शन हमारे जीवन को दिशा देने के लिए है, गीता हमें सत्य और सत्य निष्ठ व्यवहार को जीने की दिशा दिखाती है। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में वक्तव्य देते हुए डॉ देवेश मिश्र, इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने कहा कि इस पृथ्वी पर जितने भी शास्त्र उपलब्ध होते हैं उनका प्रमुख प्रयोजन व्यावहारिकता ही है।

कार्यक्रम का संचालक एवं संयोजन डॉ नीरज कुमार जोशी ने किया इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक गण, प्राध्यापक, प्रशासनिक अधिकारी, कुलसचिव, तथा डा. सूर्यभान सिंह, डॉक्टर राकेश रयाल, डॉ राजेंद्र सिंह क्वीरा, डॉ. नंदन कुमार तिवारी, डॉ सुनील कुमार त्रिपाठी, डा. कैलाश चंद्र भट्ट. डॉ प्रमोद कुमार, प्रज्ञा दुबे, डॉ. प्रभाकर पुरोहित, डॉ भानु जोशी, द्विजेश उपाध्याय, जगमोहन परगाई, सहित 50 से अधिक प्रतिभागी मौजूद रहे।

व्याख्यान कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते वक्ता। • अमृत विचार

विश्वविद्यालय नैक के प्रत्यायन की प्रक्रिया

नैक प्रत्यायन के सम्बन्ध में पूर्ण की जाने वाली आवेदन प्रक्रिया के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित Institutional Information for Quality Assessment नैक, बंगलुरु द्वारा 30, सितम्बर, 2021 को स्वीकृत कर लिया गया है।

नैक प्रत्यायन के सम्बन्ध में पूर्ण की जाने वाली आवेदन प्रक्रिया के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित Institutional Information for Quality Assessment को नैक, बंगलुरु द्वारा 30, सितम्बर, 2021 को स्वीकृत कर लिया गया था | इस प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा सूचित विभिन्न आपत्तियों का निस्तारण विश्वविद्यालय की नैक टीम द्वारा किया गया | इस प्रक्रिया के अगले चरण में Institutional Information for Quality Assessment के स्वीकृत होने की तिथि से 45 दिवसों के भीतर विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जाने वाली Self Study Report नैक, बंगलुरु को 11 नवम्बर, 2021 को प्रेषित की जा चुकी है |

Self Study Report प्रेषित करने के बाद नैक, बंगलुरु द्वारा Student Satisfaction Survey कर दिया जिसे विश्वविद्यालय द्वारा समय पर अपने छात्रों के सहयोग के सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया | विश्वविद्यालय की आगामी तैयारियों में नैक, बंगलुरु की प्रस्तावित टीम द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने से पहले एक वैसी ही टीम (Mock Peer Team) द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण कराना है ताकि कमियों को समय रहते जानकर उन्हें दूर किया जा सके | इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा आधारभूत सुविधाएं जो कि नैक ग्रेडिंग के लिए आवश्यक है उस पर भी स्मयबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है |

कार्य परिषद की 32वीं (विशेष) बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 32वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 02 दिसम्बर, 2021 को सम्पन्न हुई, बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिय गया।

बैठक में सर्वप्रथम कार्य परिषद की 31वीं बैठक के निर्णयों पर कृत कार्यवाही पर परिषद द्वारा अनुमोदन किया गया।

प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, के अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के फलस्वरूप विश्वविद्यालय के परिनियमावली में वर्णित व्यवस्थानुसार प्रो0 शुक्ल को अनुमन्य सत्रांत लाभ पर परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गा।

सिस्टम मैनेजर 01 पद, सहायक निदेशक कम्प्यूटर आई टी0 के 04 पद तथा शोध अधिकारी के 03 पदों हेतु सम्पन्न लिखित परीक्षा, कम्प्यूटर एवं आई0टी0 दक्षता तथा साक्षात्कार दिनांक 16 एवं 17 नवम्बर, 2021 के आधार पर चयन समिति की संस्तुतियों का अनुमोदन किया गया।

बैठक कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वाह्य सदस्य के रूप में ईग्नू नई दिल्ली की समकुलपति प्रो0 सुमित्रा कुकरेती, प्रो0 पी0एस0 बिष्ट, एस0एस0जे0 परिसर, अल्मोड़ा, प्रो0 एल0एन0 कोली, आगरा एवं श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला, हल्द्वानी, प्रो0 पी0के0 पाठक, निदेशक, उच्च शिक्षा, गौलापाल, हल्द्वानी, विश्वविद्यालय की ओर से प्रो0 आर0 सी0 मिश्र, प्रो गिरिजा प्रसाद पाण्डे, प्रो0 दुर्गेश पंत, प्रो0 पी0डी0 पंत, डॉ0 विरेन्द्र कुमार, कुलसचिव प्रो0 एच0एस0 नयाल, वित्त नियंत्रक श्रीमती रूचिता तिवारी शामिल रहे।

विश्वविद्यालय ने मनाया नेशनल लाइब्रेरी वीक

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के लाइब्रेरी एवं इंफॉर्मेशन साइंस विभाग द्वारा बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस द्वारा दिनांक 14 से 20 नवम्बर, 2020 को राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह को मनाया गया। इस अवसर पर लाइब्रेरी साइंस के सम्बन्ध में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए विभाग द्वारा विभिन्न् कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें क्विज कांपिटिशन, ऑडियो–वीडियो लेक्चर और चर्चा के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। विवि में वर्चुअल दौर में लाइब्रेरी की उपयोगिता पर हुई चर्चा में विश्वविद्यालय के मावविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एच. पी. शुक्ला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लाइब्रेरी के नए रूपों मसलन ई लाइब्रेरी व किंडल की उपयोगिता पर बात रखी उन्होंने कहा कि ये माध्यम ऐसे हैं जिन्हें आप कहीं भी बैठ कर पढ़ सकते हैं, यह कहीं भी ले जाने में आसान हैं इसीलिए लोगों को लाइब्रेरी के इन रूपों से दोस्ताना होने की बात कही।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आर. सी. मिश्र ने कहा कि ई लाइब्रेरी, वर्चुअल लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी परंपरागत लाइब्रेरी की प्रतियोगी नहीं हैं बल्कि ये इनकी सहयोगी हैं एवं जो पुस्तकालयों की परंपरा को आगे बढ़ाने का ही काम कर रही हैं।

कार्यक्रम में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे ने पुस्तकालयों के इतिहास पर बहुत विस्तृत रूप में प्रकाश डाला। जिसमें प्राचीन पुस्तकालयों से लेकर, मंदिर, गिरिजाघरों के पुस्तकालय, परंपरागत लाइबेरी, वर्चुअल लाइब्रेरी से लेकर ओपन एक्सेस सिंस्टम तक का सफर उन्होंने तय किया।

चर्चा का संचालन लाइब्रेरी एंड इंफार्मेशन साइंस विभाग में एसिसटेंट प्रोफेसर प्रीति शर्मा ने किया। चर्चा में लाइब्रेरी साइंस के राकेश पंत, डा. नीरजा सिंह हिंदी विभाग के डा. राजेन्द्र कैड़ा, डा. अनिल कार्की.डा. कुमार मंगलम, डा. दिव्या तिवारी, पान सिंह, रेनू जोशी, डाय भूपेन सिंह, डा. आरुषि, सुनीता भट्ट, समेत विवि का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ये बात रही कि लोग अकेडमिक जगत में अंक जुड़ने के चलते शोध पत्र के लिए जरूरत भर का पढ़ते हैं चर्चा के अंत में एक क्विज कॉपिटिशन का आयोजन किया गया जिसमें लाइब्रेरी से जुड़े दस सवाल पूछे गए। इस प्रतियोगिता का विजेता हिंदी विभाग रहा।

शोध एवं नवाचार

ज्योतिष विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों श्री शाशांक शर्मा, नामांकन संख्या–16091240 एवं श्री कमल डिमरी, नामांकन संख्या–15076582 द्वारा ऑनलाइन (Zoom App) प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध सलाहकार समिति (RAC) के समक्ष **दिनांक 23 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। ज्योतिष विभाग की शोध सलाहकार समिति (RAC) की बैठक **दिनांक 23 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

ज्योतिष विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों श्री शाशांक शर्मा, नामांकन संख्या–16091240 एवं श्री कमल डिमरी, नामांकन संख्या–15076582 द्वारा ऑफलाइ प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 28 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। ज्योतिष विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 28 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

पीएच0डी0 शोधार्थी का ना	नामांकन संख्या	विभाग	अनुमोदित शोध शीर्षक
श्री शाशांक शर्मा	16091240	ज्योतिष	'सप्तम भाव विमर्श'
श्री कमल डिमरी	15076582	ज्योतिष	'बालारिष्ट समीक्षा'

शिक्षाशास्त्र विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों नमिता सामन्त, नामांकन संख्या–14047135, लता आर्या, नामांकन संख्या–19198549, शहरयार अख्तर, नामांकन संख्या–19198927 एवं कमल चन्द्र गहतोड़ी, नामांकन संख्या–20206068 द्वारा ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 13 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। शिक्षाशास्त्र विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 13 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

पीएच0डी0 शोधार्थी का	नामांकन सं	विभाग	अनुमोदित शोध शीर्षक
नमिता सामन्त	14047135	शिक्षाशास्त्र	A Study of Attitude towards e-Learning of Senior Secon students in relation to their academic achievement, acad motivation, academic anxiety and socio economic stat
लता आर्या	19198549	शिक्षाशास्त्र	Elementary Teachers Attitude, Motivation and Challen towards online Teaching Post COVID – 19
शहरयार अख्तर	19198927	शिक्षाशास्त्र	A Study of Attitude towards Modernization and satisfactio life of Secondary School Teachers in relation to some per Socio-Educational variables
कमल चन्द्र गहतोड़	19198927	शिक्षाशास्त्र	स्वातंत्र्योत्तर भारत में गठित शिक्षा नीतियों के परिप्रेक्ष्य शिक्षक–शिक्षा का समालोचनात्मक अध्ययन

शिक्षाशास्त्र विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों नमिता सामन्त, नामांकन संख्या–14047135, लता आर्या, नामांकन संख्या–19198549, शहरयार अख्तर, नामांकन संख्या–19198927 एवं कमल चन्द्र गहतोड़ी, नामांकन संख्या–20206068 द्वारा ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 13 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। शिक्षाशास्त्र विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 13 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

पीएच0डी0 शोधार्थी का	**नामांकन सं**	**विभाग**	**अनुमोदित शोध शीर्षक**
नमिता सामन्त	14047135	शिक्षाशास्त्र	A Study of Attitude towards e-Learning of Senior Secon students in relation to their academic achievement, aca motivation, academic anxiety and socio economic sta
लता आर्या	19198549	शिक्षाशास्त्र	Elementary Teachers Attitude, Motivation and Challer towards online Teaching Post COVID – 19
शहरयार अख्तर	19198927	शिक्षाशास्त्र	A Study of Attitude towards Modernization and satisfa with life of Secondary School Teachers in relation to s pertinent Socio-Educational variables
कमल चन्द्र गहतोड़	19198927	शिक्षाशास्त्र	स्वातंत्र्योत्तर भारत में गठित शिक्षा नीतियों के परिप्रेक्ष्य शिक्षक–शिक्षा का समालोचनात्मक अध्ययन

योग विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थियों अनिल कोठारी, नामांकन संख्या–19201234, सुनील कुमार, नामांकन संख्या–14056636 एवं नीता दियोलिया, नामांकन संख्या–19201245 द्वारा ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से शोध प्रस्ताव शोध उपाधि समिति (RDC) के समक्ष **दिनांक 07 दिसम्बर 2021** को प्रस्तुत किये गये। योग विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक **दिनांक 07 दिसम्बर 2021** को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। जिसमें शोध उपाधि समिति (RDC) द्वारा निम्न शोध शीर्षकों पर अपनी संस्तुति प्रदान की गई।

पीएच0डी0 शोधार्थी का	नामांकन सं	विभाग	अनुमोदित शोध शीर्षक
अनिल कोठारी	19201234	योग	''Role of selected yogic practices on quality of life of middl adults suffering from obesity, hyperlipidemia and long t glycemic control in type-2 diabetes.''
सुनील कुमार	14056636	योग	''पुलिसकर्मियों के कर्तव्य निष्पादन विषयक तनाव में योगाभ्य भूमिका: एक प्रायोगिक अध्ययन''
नीता दियोलिया	19201245	योग	''रजोनिवृत्त की स्थिति के अंतर्गत महिलाओं में चिंता, तन अवसाद पर चयनित यौगिक अभ्यासों के प्रभाव का अध्य

Department of Forestry and Environmental Science, School of Earth and Environmental Science conducted Laboratory counselling workshop from December 13 to 16, 2021

- Laboratory Counseling Workshop was organized for the learners of M.Sc. (Environmental Science) IInd Semester (MSCES-20).
- Lectures were delivered through invited resource persons as well as in-house faculty members.

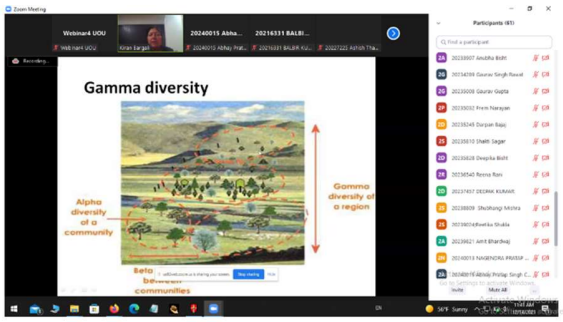

परीक्षा

- दिनांक 28 दिसम्बर 2021 को छष्ठ दीक्षान्त समारोह में कुल 46 सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को कुलाधिपति महोदय द्वारा उपाधि प्रदान की गई।
- आगामी शीतकालीन सत्र (दिसम्बर—2021) की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाओं हेतु बैक,सुधार परीक्षा आवेदन,परीक्षा केन्द्र परिवर्तन एवं बैक सत्रीय कार्य आवेदन किये जाने हेतु दिनांक 17 दिसम्बर 2021 से 10 जनवरी 2022 तक आवेदन तिथि निर्धारित की गई है। तद्दिनांक तक बैक- 9048, सुधार-773, सत्रीय कार्य बैक परीक्षा हेतु 3520 आवेदनकर्ताओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जा चुका है।
- दिसम्बर माह में वि0वि0 की परीक्षा से संबंधित परीक्षा कार्य में संलग्न कार्मिकों एवं परीक्षा कन्द्रों से संबंधित कुल 18 बिल जांच उपरांत भुगतान एवं समायोजन हेतु वित्त अनुभाग को प्रेषित किये जा चुके है। अप्राप्त बिलों के संबंध में वि0वि0 कार्मिकों व परीक्षा केन्द्रों को बिल प्रस्तुत करने हेतु ई-मेल से सूचना प्रेषित की गई है।
- दिसम्बर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 70 मूल उपाधियॉ प्रमा णपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेश

- ग्रीष्मकालीन सत्र 2021–22 में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में विद्यार्थियों के प्रवेश की स्थिति निम्न है–

2021-22 Summer

Region wise Students

Region	Total
Dehradun	
Roorkee	
Pauri	
Haldwani	
Uttarkashi	
Ranikhet	
Pithoragarh	
Bageshwar	
Total	

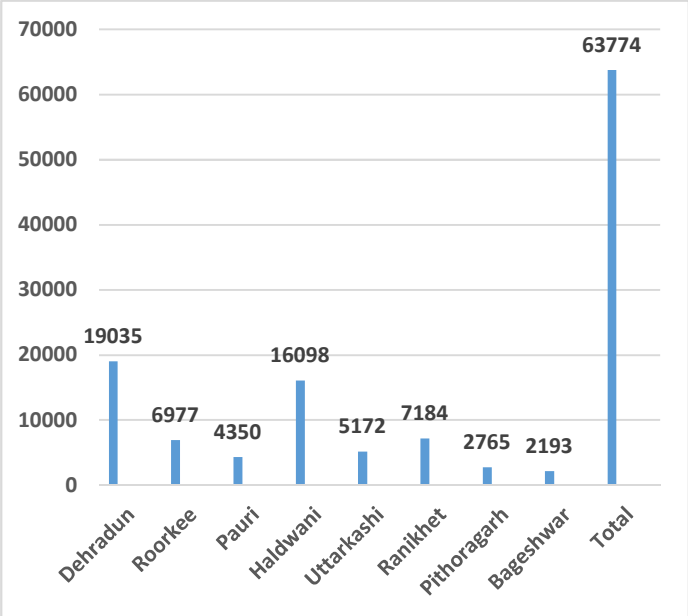

- ग्रीष्मकालीन सत्र 2021–22 के प्रवेश की अंतिम तिथि दिनांक 15 दिसम्बर, 2021 निर्धारित थी। दिनांक 30 दिसम्बर, 2021 को प्रवेश के आंकड़े यू0जी0सी को प्रेषित कर दिये गये। विश्वविद्यालय में सत्र 2021–22 (शीतकालीन सत्र) के प्रवेश दिनांक 01 जनवरी, 2022 से प्रारंभ किये जा रहे है।
- प्रवेश की अंतिम तिथि दिनांक 28 फरवरी, 2022 निर्धारित की गई है।

Two-day workshop organized by CEMCA

A two-day workshop on Virtual Labs is being organised from 9-10th November 20 for the faculty members of Uttarakhand Open University by CEMCA. Prof. O.P.S. Negi, Vice Chancellor, Uttarakhand Open University, in his Presidential Address, emphasised the importance of experimentation in science education, and posited that open educational resources, including virtual labs can play an important role in taking educators and students towards quality teaching and learning. Mr. Saneesh P F, Project Manager, VALUE Virtual Labs, Amrita Vishwa Vidyapeetham provided an overview of virtual labs and demonstrated a variety of experiments from Physics, Chemistry, Biology, and Computer Science.

The capacity building programme was attended by 62 faculty members of UOU and other formal universities of the State.

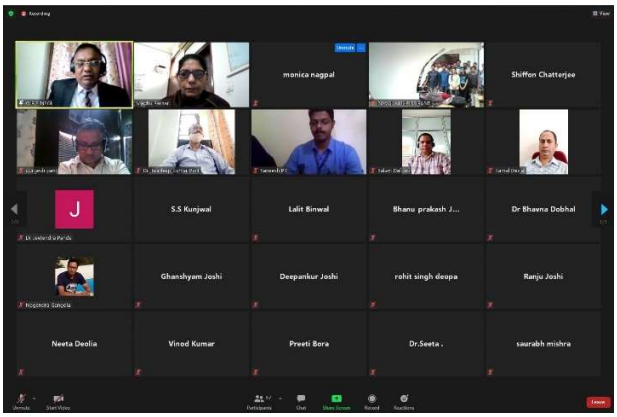

अन्य अकादमिक गतिविधियॉं

- कुलपति, प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी द्वारा दिनांक 09 दिसम्बर, 2021 को राजभवन में आयोजित, माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति जी की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रतिभाग किया। बैठक में माननीय कुलाधिपति जी द्वारा तीन त्रिशूल के सम्बन्ध में वार्ता की गई जिसमें कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय से सम्बन्धित तीन त्रिशूल जिसमें प्रथम– विश्वविद्यालय के 12बी की आधारभूत संरचना को पूर्ण करना, द्वितीय– विश्वविद्यालय द्वारा उच्च शिक्षा को उत्तराखण्ड के हर व्यक्ति तक पहुॅंचाना तथा 1 लाख शिक्षार्थियों के लक्ष्य को पूर्ण करना तथा तीसरा– नैक एवं प्रत्यायन में A Grade प्राप्त करना।
- कुलपति जी द्वारा सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के संविधानिक निकाय भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप मानव संसाधन के विकास का रूपांतरण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र पर दिनांक 29 दिसंबर, 2021 को गुवाहाटी में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

- प्रो0 रेनू प्रकाश द्वारा दिनांक 17-21 दिसम्बर 2021 – शिक्षा विभाग सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोडा द्वारा आयोजित पाच दिवसीय कार्यशाला 'फैकल्टी डप्लेपमेंट प्रोग्राम ऑन जेंडर स्टडीज इन स्पेलशल रिफरेंस टू NEP 2020में ऑन लाइन प्रतिभाग किया गया।
- Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor, Computer Science Published Research Paper on -Koranga M, Bhatt A K, Pant R P, "Efficient water quality prediction models based on machine learning algorithms for Nainital Lake, Uttarakhand", https://doi.org/10.1016/j.matpr.2021.12.334, 2022, Materials today Elsevier.
- Attended a 02 Days Online National Webinar on "Entrepreneurship Development through Cultivation of Medicinal and Aromatic Plants" from 17-18 December, 2021, organized by IDP-NAHEP, College of Horticulture and Forestry, CAU (Imphal), Pasighat- Arunanchal Pradesh **(Dr. Beena Tewari)**
- Attended a 02 Days Online National Webinar on "Entrepreneurship Development through Cultivation of Medicinal and Aromatic Plants" from 17-18 December, 2021, organized by IDP-NAHEP, College of Horticulture and Forestry, CAU (Imphal), Pasighat- Arunanchal Pradesh **(Dr. Krishna Tamta)**

Publications-

- Ashish Tewari, Shruti Shah, Nandan Singh, **Krishna Kumar Tamta,** and Amit Mittal, (2021). Tree Water Relations in the Treeline. Book chapter published in the book entitled "Interpreting Mountain Treelines in a Changing; World Largely Based on the Indian Himalaya. Central Himalayan Environment Association (CHEA), Nainital (Uttarakhand) India and International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Nepal.
- Pankaj Tewari, Ripu Daman Singh, Surabhi Gumber, **Krishna Kumar Tamta**, and Harshita Joshi, (2021). Anthropogenic Pressures on Himalayan Timberlines and Experiences with Livelihood Interventions. Book chapter published in the book entitled "Interpreting Mountain Treelines in a Changing; World Largely Based on the Indian Himalaya. Central Himalayan Environment Association (CHEA), Nainital (Uttarakhand) India and International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), Nepal.
- डॉ. नीरज कुमार जोशी Assistant Professor (AC) द्वारा योगविज्ञान विभाग, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यान "हठयोग एवं पातञ्जल योग का समन्वयात्मक विवेचन " में दिनांक 20.12.2021 को प्रतिभाग किया।
- Dr. Kamal Devlal, Asstt. Professor, Physics Presented a poster "Investigation of Nonlinear Optical Response of Organic Compound Pyrrolidine-2,5-dione" in the DAE SSPS 2021 on 16 December 2021 conducted by BARC Mumbai.

- Dr. Pravesh Kumar Sehgal, Associate Professor, Zoology Participated **National Training on Advances in Weed Management for Sustainable Agriculture** being organized by ICAR-DWR and ISWS on a virtual platform from 13-18 December, 2021 during 2.30 to 5.30 PM.
  Journals-
  1. R. K. Singh, Meenakshi bisht and Pravesh Kumar Sehgal (2021 December)To Study of Site selection, Research design and methods of Corbett National Park, Ramnagar. International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT), Volume 9, and Issue 12 December 2021 | ISSN: 2320-2882 .b 445-450.
  2. R. K. Singh, Meenakshi bisht and Pravesh Kumar Sehgal (2021 December) .Demographic study of standard of living and their dependency of Corbett National park, Ramnagar. Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (JETIR), 2021 JETIR December 2021, Volume 8, Issue 12, (ISSN-2349-5162), P 792-803
- मंगलम कुमार रस्तोगी, असिस्टेंट प्रोफसर (AC) द्वारा भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित "अर्थायाम : गांधी और अन्य भारतीय विचारक" विषयक 15 दिवसीय शीतकालीन सत्र में प्रतिभाग किया गया।

विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। (संलग्नक–ख)